यूपी के 35 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले: एडीआर रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

23 नवंबर, 2021 को **उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच** और **एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म (एडीआर)** द्वारा विधानसभा के **403 मौजूदा विधायकों में से 396 के वित्तीय, आपराधिक और अन्य विवरणों का विश्लेषण करने के बाद प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई।** इसके अनुसार इन विधायकों में से लगभग **35 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले** दर्ज हैं, जबकि **79 प्रतिशत करोड़पति** हैं।

प्रमुख बिंदु

- विश्लेषण 2017 के विधानसभा चुनावों और उसके बाद हुए उपचुनावों में उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत हलफनामों पर आधारित है।
- एडीआर के अनुसार, यह पाया गया कि विधानसभा के 396 विधायकों में से 140 या 35 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले हैं और 106 या 27 फीसदी विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले हैं।
- पार्टीवार भाजपा के 304 विधायकों में से 106, सपा के 49 विधायकों में से 18 और बसपा के 18 में से 2 तथा कॉन्ग्रेस के 1 विधायक पर आपराधिक मामले लंबित हैं।
- रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि विधानसभा के 396 विधायकों में से 313 या 79 प्रतिशत करोड़पति हैं।
- भाजपा के पास 77 प्रतिशत के साथ सबसे अधिक करोड़पति विधायक (304 में से 235) हैं, जबकि समाजवादी पार्टी के 49 (86 प्रतिशत) विधायकों में से 42 करोड़पति है। इसके अलावा बसपा के 16 में से 15 विधायक तथा कॉन्ग्रेस के सात विधायकों में से पाँच करोड़पति हैं।
- विधायकों की औसत संपत्ति 5.85 करोड़ रुपए थी। मुख्य दलों में भाजपा के 304 विधायकों की औसत संपत्ति 5.04 करोड़ रुपए, समाजवादी पार्टी के 49 विधायकों की 6.07 करोड़ रुपए, बसपा के 16 विधायकों की 19.27 करोड़ रुपए और कॉन्ग्रेस के 7 विधायकों की औसत संपत्ति 10.06 करोड़ रुपए है।
- मुबारकपुर विधानसभा क्षेत्र से बसपा विधायक शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली कुल 118 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ करोड़पति विधायकों की सूची में सबसे ऊपर हैं। इसके बाद चिलुपार विधानसभा सीट से बसपा के विनयशंकर तिवारी 67 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति के साथ दूसरे स्थान पर है।
- 396 विधायकों में से 95 ने अपनी शैक्षणिक योग्यता 8वीं से 12वीं पास, 290 विधायकों ने खुद को स्नातक या इससे ऊपर घोषित किया है, 4 विधायक अनपढ़ हैं और 5 विधायक डिप्लोमाधारक हैं।
- इसके अलावा 206 विधायकों की उम्र 25 से 50 साल के बीच और 190 विधायकों की उम्र 51 से 80 साल के बीच है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/35-percent-mlas-in-uttar-pradesh-have-criminal-cases-adr-report